**46. प्रशासन एक दूसरे प्ररूप के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है**

1. .................................की......... ...............में तारीख .................... को मृत्यु हो गयी। अन्तिम विल दिनांकित ........ ................. द्वारा उसने ............... .................... प्रतिवादी और .............. ............... (जिसकी मृत्यु वसीयत कर्ता के जीवन में ही हो गयी) उसके निष्पादकों को नियुक्त किया और उसके जीवन तक के लिए किराये का संदाय करने के लिए तथा उसकी आय वादी को संदाय करने के लिए न्यास में उसके निष्पादकों को उसकी सम्पत्ति चाहे जंगम या स्थावर हो, वसीयत कर दिया और उसके मृत्यु के पश्चात् और उस एक पुत्र को उसके रखने के व्यतिक्रम में जिसको बीस का होना चाहिएएक. या एक पत्री जिसको उस आय को प्राप्त करना चाहिए था उस व्यक्ति के लिए उसकी स्थावर सम्पत्ति के बारे में न्यास पर, विवाह करना चाहिए जो विधितः वसीयतकर्ता का वारिस होगा, और उस व्यक्ति के लिए जंगम सम्पत्ति उसके बारे में जो वसीयतकर्ता का नातेदार होगा यदि उसकी मृत्यु निर्वसीयती वादी की मृत्यु के समय पर हो गयी थी और यथापरोक्त उसके विवाद्यक की ऐसी असफलता पर भी।
2. विल तारीख.. ............... ........................ को प्रतिवादी द्वारा साबित कर दिया जायेगा। वादी का विवाह नहीं किया गया है।
3. वसीयतकर्ता उसकी मृत्यु पर जंगम एवं स्थावर सम्पत्ति का हकदार था; प्रतिवादी ने स्थावर सम्पत्ति के किराये की प्राप्ति में भाग लिया और स्थावर सम्पत्ति को भार साधन में लिया, उसने स्थावर सम्पत्ति के किसी भी भाग को बेंच दिया।
4. वाद हेतुक, इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर, वसीयतकर्ता की मृत्यु तारीख .... को पैदा हुआ।
5. वाद का मूल्यांकन प्रशासन के अधीन सम्पत्तियों के बाजार मूल्य ............... ...................... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का संदाय दावाकृत अनुतोष की प्रकृति के अनुसार किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी दावा करता है

1. न्यायालय में प्रशासित की गयी……………………की जंगम एवं स्थावर सम्पत्ति को रखने का, और उस प्रयोजनार्थ दिये गये सभी उचित निर्देशों एवं लिये गये लेखों को रखने का।
2. ऐसे अग्रिम या अन्य अनुतोष का जिसकी मामले की प्रकृति अपेक्षा करे।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी